आकाशवाणी _देहरादून (उत्तराखण्ड)

मंगलवार 18.03.2025 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- भारत और न्यूजीलैंड ने रक्षा, शिक्षा, खेल, बागवानी और वानिकी के क्षेत्र में पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- देहरादून नगर निगम कारगी और धोरण क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण केंद्रों को आधुनिक बना रहा है।
- नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपोक्सिया एंड माउंटेन मेडिसिन के पहले दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ।
- गंगा स्वच्छता पखवाड़े के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर के छात्रों ने स्वच्छता अभियान चलाया।

भारत न्यूजीलैंड समझौता

भारत और न्यूजीलैंड ने रक्षा, शिक्षा, खेल, बागवानी और वानिकी क्षेत्रों में पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों पक्षों के बीच अधिकृत आर्थिक संचालन पारस्परिक मान्यता समझौते का भी आदान–प्रदान हुआ। न्यूजीलैंड हिंद–प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने के साथ ही आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन का सदस्य भी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल नई दिल्ली में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ भारत–न्यूजीलैंड सम्बंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा साझेदारी मजबूत करने तथा संस्थागत बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का निर्णय लिया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड आतंकवादी, अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ सहयोग करना जारी रखेंगे।

नगर निगम देहरादून

देहरादून नगर निगम कारगी और धोरण क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण केंद्रों को आधुनिक और मशीनीकृत बना रहा है। इस परियोजना के तहत धोरण केंद्र पर करीब तीन करोड़ रुपये और कारगी केंद्र पर लगभग छह करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। गौरतलब है कि हर दिन शहरभर से घरों और कूड़ा संग्रहण केंद्रों से करीब 450 टन कचरा इन निस्तारण केंद्रों तक पहुंचता है। इसमें से 300 टन कचरा कारगी केंद्र में जाता है, जबकि बाकी धोरण केंद्र में जमा होता है। इन दोनों स्थानों से कूड़ा शीशमबाड़ा भेजने की व्यवस्था है। लेकिन कूड़ा भेजने से पहले वह कहीं बार दो दिन तक जमा रहता है, जिससे आसपास के लोगों और राहगीरों को दुर्गंध की समस्या का सामना करना पड़ता है। उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने बताया कि इन केंद्रों को मशीनीकृत करने का काम तेजी से चल रहा है और अगले दो महीनों में यह पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।

नंदा सुनंदा योजना

प्रदेश सरकार की नंदा–सुनंदा योजना से गरीब, अनाथ और असहाय छात्राएं अपनी पढ़ाई का सपना पूरा कर रही है। देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने इस योजना के तीसरे चरण के तहत तीन छात्राओं को चैक बांटे। आर्थिक तंगी और परेशानियों के चलते, जिन बच्चियों को अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़नी पड़ रही है, उनके लिए नंदा–सुनंदा योजना वरदान साबित हो रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि विषम परिस्थितियों में रहकर पढ़ने और आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाली बेटियां–ही हमारी नंदा और सुनंदा देवी हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना में कमज़ोर वर्ग की बालिकाओं के चयन के लिए जिला स्तर पर समिति गठन के साथ एस.ओ.पी तैयार की गई है।

राश्ट्रीय सेमिनार

उत्तरकाशी जिले में स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान– निम में इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपोक्सिया एंड माउंटेन मेडिसिन के पहले दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। इसमें एम्स ऋषिकेश सहित निम व देश के विभिन्न सैन्य संस्थान और स्वास्थ्य संबंधित संस्थानों के विशेषज्ञ और शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने बताया कि भारत में सबसे अधिक ऊंचाई बाले क्षेत्र हैं। इसमें पर्वतारोहण सहित चारधाम और विभिन्न ट्रैक शामिल हैं। हर वर्ष लाखों लोग ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहुंचते हैं, जहां पर कई पर्वतारोहियों, यात्रियों की अलग–अलग कारणों से मृत्यु हो जाती है। इसको लेकर सेमिनार का आयोजन किया गया है, ताकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अच्छी स्वास्थ्य सुविधा देने पर समाधान निकल सकें। वक्ताओं ने कहा कि देश में पहली बार इस विषय को लेकर विशेषज्ञ और शोधकर्ता अपनी राय रख रहे हैं, जिस पर भविष्य में कार्य किया जाएगा। सेमिनार में सेना और आईटीबीपी जवानों को अतिरिक्त सुविधाएं देने पर भी चर्चा की गई।

गंगा स्वच्छता रैली

चमोली जिले में गंगा स्वच्छता पखवाड़े के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने रैली निकालकर प्राचीन वैतरणी कुंड की सफाई कर आम जन–मानस को जल संवर्धन का संदेश दिया। इस अभियान में 150 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य एम. पी. नगवाल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली महाविद्यालय परिसर से बस स्टेशन और गोपीनाथ मंदिर मार्ग होते हुए वैतरणी कुंड पहुंची, जहां कुंड की सफाई के साथ ही आस–पास के क्षेत्र में भी वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया।

सैनिक संग्रहालय

उत्तराखंड में कई ऐसे गांव हैं, जहां हर घर से कोई न कोई सेना में सेवा दे रहा है। ऐसा ही एक गांव है चमोली जिले के दूरस्थ देवाल ब्लॉक का सवाड़ गांव, जिसे सैनिक बाहुल्य गांव के रूप में जाना जाता है। सवाड़ गांव के 46 युवा इस समय भारतीय सेना में देश की सेवा कर रहे हैं। इस गांव के 22 सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध में, 38 सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध में और 18 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने

देश के लिए योगदान दिया। इसके अलावा वर्तमान में 78 पूर्व सैनिक भी हैं। गांव के वीर सैनिकों के सम्मान में एक शानदार संग्रहालय और शहीद स्मारक बनाया गया है। सवाड़ गांव के पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष गोविन्द सिंह ने बताया कि इस संग्रहालय में प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध, ऑपरेशन ब्लू स्टार, पेशावर कांड, स्वतंत्रता संग्राम और 1971 के भारत–पाक युद्ध में योगदान देने वाले सैनिकों की यादें संजोई गई हैं।

गांव के पूर्व सैनिक ही संग्रहालय और शहीद स्मारक की देखरेख की जिम्मेदारी संभालते हैं। पूर्व सैनिक संगठन के सचिव नंदन सिंह खत्री ने कहा कि अगर सरकार से इसके संरक्षण में मदद मिले, तो यहां आने वाले पूर्व सैनिकों और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सकेगा।

मुक्केबाजी

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति ने लॉस एंजिल्स में वर्ष 2028 में होने वाले ओलम्पिक खेलों में मुक्केबाजी को फिर से शामिल करने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए, विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वैन डेर वोर्स्ट ने कहा कि यह निर्णय ओलम्पिक मुक्केबाजी के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है और इससे ओलम्पिक खेलों में मुक्केबाजी की बहाली को बल मिला है। तत्कालीन अंतर्राष्ट्रीय महासंघ को लेकर चल रही चिंताओं के कारण फरवरी 2022 में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति सत्र द्वारा अनुमोदित 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के प्रारंभिक खेल कार्यक्रम में मुक्केबाजी को शामिल नहीं किया गया था।